पृष्ठभूमि

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत शासन स्तर से अब गर्भवती महिलाओं के लिए Covid–19 से बचाव की टीका लगाए जाने संबंधी दिशा–निर्देश प्राप्त हो चुके हैं. ऐसे में प्रथम पंक्ति के स्वास्थ्य सेवा प्रदाता होने के नाते आपका यह कर्तव्य है कि आप अपने क्षेत्र की प्रत्येक गर्भवती महिला को इस टीके के दोनों डोज निर्धारित समय पर लगवाने के लिए प्रेरित करें. आपसे अपेक्षा है कि आप उन्हें Covid–19 से बचाव का टीका लगवाने के फायदों, महत्त्व, सावधानियों और टीके की उपलब्धता के विषय में आवश्यक जानकारियां और परामर्श दें. इस सम्बन्ध में अक्सर पूछे जाने वाले आवश्यक प्रश्नों एवं उनके उत्तर यहाँ दिए जा रहे हैं. आशा है कि आप इनकी सहायता से अपने आपने क्षेत्र की समस्त गर्भवती महिलाओं को प्रेरित कर उनका Covid–19 संक्रमण से बचाव का टीकाकरण करवाकर संक्रमण मुक्त समाज की स्थापना में सहयोग प्रदान कर सकेंगे.

गर्भवती महिलाओं को Covid–19 से बचाव का टीका लगवाने का परामर्श दिया जाना क्यों जरूरी है?

- इससे गर्भावस्था के दौरान कोरोना संक्रमण का खतरा कम होगा.
- कोरोना से संक्रमित हुई अधिकाँश महिलाओं में संक्रमण के लक्षण या तो दिखेंगे ही नहीं या फिर हल्के लक्षण ही दिखेंगे, लेकिन इससे उनके और गर्भस्थ शिशु के स्वास्थ्य पर गंभीर प्रतिकूल प्रभाव होगा. ऐसे में इस संक्रमण से सुरक्षा अत्यंत आवश्यक है.
- इसीलिए यह आवश्यक हो जाता है कि गर्भवती महिलायें Covid–19 वेक्सीन टीकाकरण सहित संक्रमण से बचाव के सभी उपायों का पालन करें.
- यही कारण है कि प्रत्येक गर्भवती महिला को Covid–19 वेक्सीन टीकाकरण करवाने का परामर्श दिया जाना आवश्यक है.

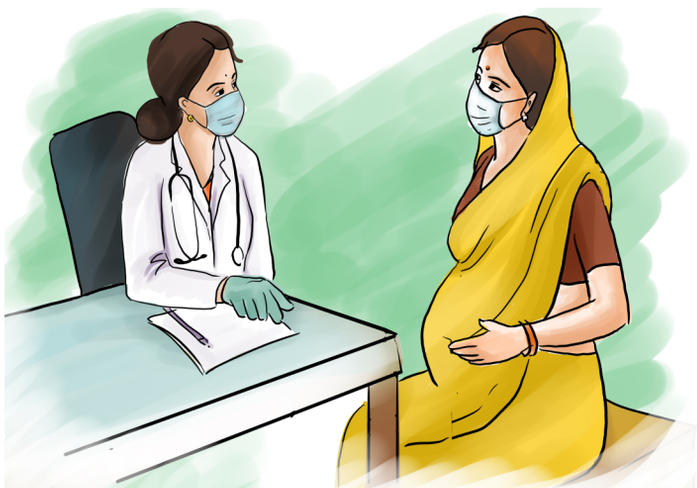

ज्यादा खतरा किसे है?

- जो प्रथम पंक्ति की सेवा प्रदाता हैं.
- जिनके आस पड़ोस या समुदाय में संक्रमण के प्रकरण लगातार प्रकाश में आ रहे हैं.
- जिनका बाहरी लोगों से बार–बार मिलना जुलना होता है.
- जो ऐसे घरों और वातावरण में रहतीं हैं जहाँ आपस में दो गज की दूरी बना कर रखना संभव नहीं होता.

Covid–19 संक्रमण एक गर्भवती के स्वास्थ्य को किस प्रकार प्रभावित करता है?

- हांलाकि अधिकाँश कोरोना संक्रमित गर्भवती महिलायें बिना अस्पताल में भर्ती हुए इस संक्रमण से ठीक हो जाती हैं, लेकिन उनमें से कुछ महिलाओं और उनके गर्भस्थ शिशु के स्वास्थ्य पर गंभीर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है.
- ऐसी कोरोना संक्रमित गर्भवती महिलाएं जिनमें इस संक्रमण के लक्षण परिलक्षित होते हैं, उनमें संक्रमण गंभीर और जानलेवा भी हो सकता है. संक्रमण के गंभीर होने दशा में गर्भवती महिला को अन्य संक्रमित मरीजों की तरह अस्पताल में भर्ती भी करना होता है.
- ऐसी गर्भवती महिलाएं जिनमें पहले से कोई स्वास्थ्य समस्या जैसे हाई ब्लड प्रेशर, डायबिटीज, मोटापा, 35 वर्ष से अधिक आयु आदि है तो उनके लिए कोरोना संक्रमण अत्याधिक घातक हो सकता है.

गर्भवती महिला में कोरोना संक्रमण से उसका शिशु किस प्रकार प्रभावित होता है?

- अभी तक यह देखा गया है कि कोरोना संक्रमण से प्रभावित लगभग 95 प्रतिशत से अधिक गर्भवती महिलाओं के शिशुओं का स्वास्थ्य जन्म के समय सामान्य होता है.
- कुछ प्रकरणों में गर्भावस्था के दौरान कोरोना संक्रमण के कारण समय पूर्व शिशु के जन्म, जन्म के समय शिशु के कम वजन(2.5 किलो से कम) होने तथा माता को गंभीर संक्रमण होने की दशा में गर्भ में ही शिशु की मृत्यु होने की आशंका बढ़ जाती है.

कोरोना वेक्सीन का टीका लगवाने के बाद किन गर्भवती महिलाओं में जटिलताएं हो सकती हैं?

ऐसी गर्भवती महिलाएं जो–

- 35 वर्ष से अधिक आयु की हैं
- जो मोटापे से पीड़ित हैं
- अन्य स्वास्थ्य समस्या जैसे– डाईबिटीज, हाई ब्लड प्रेशर आदि से पीड़ित है
- जिन्हें पहले से अंगों में खून का थक्का जमने की समस्या है.

यदि गर्भवती महिला पहले से कोरोना संक्रमण से ग्रसित है तो उसे कोरोना वेक्सीन का टीका कब लगाना है?

- जो गर्भवती महिला कोरोना संक्रमण से ग्रसित है उसे प्रसव के पश्चात फौरन टीका लगाया जा सकता है

क्या कोरोना वेक्सीन का टीका लगवाने से गर्भवती महिला या उसके गर्भवस्थ शिशु पर कोई प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकते हैं?

- कोरोना की सभी वेक्सीन सुरक्षित हैं और उनसे गर्भवती महिलाओं को भी सामान्य लोगों की तरह ही संक्रमण से सुरक्षा प्राप्त होती है.
- अन्य दवाओं की तरह ही इस वेक्सीन के कुछ हलके और सामान्य तरह के प्रतिकूल प्रभाव हो सकते हैं, जो कुछ ही घंटों में ठीक हो जाते हैं. कोरोना वेक्सीन का टीका लगवाने के बाद गर्भवती महिला को हल्का बुखार या टीका लगने की जगह पर सूजन या दर्द हो सकता है जो एक से तीन दिनों में ठीक हो जाता है.
- गर्भस्थ होने के दौरान एवं जन्म के पश्चात शिशु पर इस वेक्सीन के दीर्घकालीन प्रतिकूल प्रभावों एवं सुरक्षा के विषय में शोध सतत है.
- अत्यंत विरल (लगभग एक से पांच लाख में से एक) प्रकरणों में कोरोना वेक्सीन का टीका लगने के बीस दिनों के अन्दर गर्भवती महिला में यदि – सांस लेने में तकलीफ, सीने में दर्द, पेट में निरंतर दर्द (उलटी सहित या बिना उलटी), हाथ अथवा जोड़ों में दर्द या सूजन, त्वचा से रक्तस्त्राव, शरीर के किसी हिस्से में लकवा या अंगों में कमजोरी होना, धुंधला दिखना या आँखों में दर्द होना, झटके आना, अकारण उल्टियाँ होना, लगातार तेज सिरदर्द होना, उल्टियाँ होना या स्वास्थ्य में अन्य कोई महत्वपूर्ण बदलाव आदि लक्षण होने की दशा में तुरंत चिकित्सक से परामर्श लें.

कोरोना से बचाव के वेक्सीन का टीकाकरण होने बाद गर्भवती महिलाओं को और कौन कौन सी सावधानियां अपनाने के लिए परामर्श दिया जाना है :–

आपस में दो गज की दूरी बनाए रखें
घर के बाहर निकलने पर या भीड़–भाड वाली जगह में हमेशा दो मास्क पहन कर रखें
बार–बार हाथों को साबुन और पानी अथवा अल्कोहल्युक्त सेनेटाईजर से धोते रहें

गर्भवती महिलाओं के टीकाकरण हेतु प्रक्रिया

कोरोना वेक्सीन से बचाव की वेक्सीन का टीका लगवाने गर्भवती महिला को कोविन पोर्टल पर अपना पंजीयन करना होगा
टीकाकरण सत्र स्थल पर भी पंजीयन की सुविधा उपलब्ध है.